IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 11, Issue 1, November 2021
Impact Factor: 5.731

हॉर्स ट्रेडिंग और दल–बदल की राजनीति

Dr. Padam Singh
Assistant Professor
Government Girls College, Kherwara, Udaipur, Rajasthan

भारत विश्व का एक विशाल लोकतांत्रिक देश है। लोकतंत्र में जन भावना व जनप्रतिनिधित्व को महत्व दिया जाता है लेकिन जब जनता द्वारा चुने हुए जनप्रतिनिधि जन भावनाओं की उपेक्षा कर अपने स्वार्थ पूर्ण कार्य में लग जाता है तो जनता अपने को ठगा सा महसूस करती है। हाल ही के दिनों में जिस प्रकार राजस्थान, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, उत्तराखण्ड, मणिपुर और गोवा में राजनीतिक उथल–पुथल मची तो हॉर्स ट्रेडिंग (Horse Trading) के ही आरोप लगे। कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया कि बीजेपी विधायकों की खरीद–फरोक्त कर रही है। इसके अलावा कई विधायकों को डराया–धमकाया भी जा रहा है। इसके अलावा राज्यसभा चुनाव के दौरान क्रॉस वोटिंग को लेकर भी कई तरह के आरोप लगाये गये है। आज भारतीय राजनीति में 'हॉर्स ट्रेडिंग' शब्द काफी प्रचलित हो गया है जो अखबराओं व टी.वी. की हैड लाइन बन चुका है। भारतीय राजनीति में 'हॉर्स ट्रेडिंग' शब्द का बहुत इस्तेमाल होता रहा है। भारतीय राजनीति में इस शब्द का प्रयोग सांसदों और विधायकों को प्रलोभन से जोड़कर प्रयोग किया जाता है। जब किसी फायदे के लिए या किसी सरकार को अस्थिर करने के लिए सांसदों और विधायकों द्वारा अपना पाला बदलते है तो इसे हॉर्स ट्रेडिंग का नाम दिया जाता है। इसके अलावा किसी बिल का समर्थन करने या फिर विश्वासमत के समर्थन करने या विरोध करने के लिए भी इस शब्द का धडल्ले से इस्तेमाल होता रहा है।

हॉर्स ट्रेडिंग (Horse Trading): हॉर्स ट्रेडिंग का शाब्दिक अर्थ – 'घोड़ों की बिक्री' से है। असल में इस शब्द की शुरूआत 'कैम्ब्रिज डिक्शनरी' से हुई थी लगभग 18वीं शताब्दी में इस शब्द का प्रयोग घोड़ों की बिक्री के दौरान व्यापारी करने लगे थे लेकिन इसके साथ अनेक किस्से जुड़े है और इसके राजनीतिक मायने भी निकाले जाने लगे है। 18वीं शताब्दी की शुरूआत यानी 1820 के करीब जब घोड़ों के व्यापारी अच्छी नस्ल के घोड़ों को खरीद–फरोख्त करते थे और कुछ अच्छा पाने के लिए किसी तरह के जुगाड़ या चालाकी के लिए जो तकनीकी अपनाते थे उसे ही 'हॉर्स ट्रेडिंग' कहा गया। कहा जाता है कि इस दौरान व्यापारी अपने घोड़ों की कहीं पर छुपा देते थे, कहीं पर बांध देते थे या फिर किसी और अस्तबल में पहुँचा देते थे, फिर अपनी चालाकी से पैसों के लेन–देन के कदम पर सोदा किया जाता था।[1]

हॉर्स ट्रेडिंग से सम्बन्धित एक किस्सा

प्राचीन काल में जब भारत के व्यापारी अपने कारिंदों को अरब देशों से अच्छी नस्ल के घोड़े खरीदने के लिए भेजते थे तो वापस आते वक्त कुछ घोड़े भुख–प्यास व थकावट के कारण मर जाते थे। इस बात को सिद्ध करने के या अपने मालिक को संतुष्ट करने के लिए वो घोड़ों की पूंछ दिखाकर ही गिनती पूरी कर लिया करते थे यानि 100 घोड़े खरीदे तो 90 घोड़े दिखाए बाकी 10 घोड़े की पूछे दिखाकर कहा कि वो 10 घोड़े मर गए। मालिक उन पर यकीन कर लेता था। बाद में मालिक के कारिन्दों में लोभ आने लगा और अब कारिन्दे मालिक के 100 घाोड़े खरीदने के लिए जाते और कारिन्दे वास्तविक रूप से 90 घोड़े ही खरीदते और 10 घोड़े की वहां से पूंछ ही खरीदते, क्योंकि पूछ वहां बड़ी आसानी से सस्ती दर में मिल जाती थी। इस

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 11, Issue 1, November 2021
Impact Factor: 5.731

तरह वे कारिन्ते अपने मालिकों को 10 घोड़े मरे दिखाकर 80 घोड़े ही पहुंचाने लगे और 10 घोड़ों की कीमत अपनी जेब में रखने लगा मालिक इस बात से बड़ा चिन्तित होता लेकिन घोड़ों की पूछों के कारण वह कारिन्दों पर विश्वास कर लेता था। मतलब कारिन्दे 10 घोड़ों का फायदा उठाना शुरू कर दिया इसे ही 'हॉर्स ट्रेडिंग' कहा जाने लगा। जैसे इन दिनों हर दल अपने विधायकों को छिपाता फिर रहा है तब घोड़ों को बेचने के लिए एक व्यापारी हुआ करता था और अब घोड़े, जिनकी तुलना नेताओं से हो रही है। वह स्वयं ही बिकने को तैयार है। हाँ अगर कोई एक शख्स कई नेताओं को लेकर किसी दूसरी पार्टी में किसी लालच वश शामिल हो जाता है, तो ये कहना गलत नहीं होगा कि यहाँ हॉर्स ट्रेडिंग हुई है। ये अलग बात है कि इसे गैर कानूनी साबित करना आसान नहीं होता है।

भारतीय राजनीति में हॉर्स ट्रेडिंग

वैसे तो राजनीति में 'हॉर्स ट्रेडिंग' शब्द का कोई औचित्य नहीं होता है, लेकिन पिछले कुछ समय में इसका इस्तेमाल बढ़ा है। जब राजनीति में नेता दल बदलते है या फिर किसी चालाकी के कारण कुछ ऐसा खेल रचा जाता है कि दूसरी पार्टी के नेता आपका समर्थन कर दे तब राजनीति में इसे 'हॉर्स ट्रेडिंग' कहा जाता है। भारत में इसे दल बदलना, दल बदलू भी कहते है। इसको लेकर अपने देश में दल–बदल कानून भी बनाया गया है। 2018 के कर्नाटक विधानसभा चुनाव में हॉर्स ट्रेडिंग होने की बात सामने आई थी इससे पहले गोवा, मणिपुर और उत्तरखण्ड में भी सरकार पर हॉर्स ट्रेडिंग के आरोप लगे। 2008 में तो भारत के संसदीय इतिहास में पहली बार तीन सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते अशोक अर्गल, महावीर भगौरा ने बीच संसद में नोट लहराने लगे थें। उनका कहना था कि अमर सिंह ने उन्हें ये पैसे दिये है। यह हॉर्स ट्रेडिंग के दौरान हॉर्स ट्रेडिंग के चलते हुआ था।[2]

गोवा की राजनीति में हॉर्स ट्रेडिंग के आरोप

वर्ष 2019 में गोवा की 40 विधानसभा सीटों के परिणाम आए तो वहाँ की स्थिति कर्नाटक जैसी ही थी। कांग्रेस 15 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी लेकिन बहुमत से दूर थे (21 सीटें)। बीजेपी ने 14 सीटों पर कब्जा जमाया था और अन्य दलों के साथ मिलकर सरकार बना ली। बीजेपी की जोड़–तोड़ की राजनीति यहाँ कामयाब हुई और कांगेस को सत्ता से दूर रखा कर्नाटक में सियासी संकट के बाद अब गोवा में राजनीतिक घमासान शुरू हुआ गोवा में कांग्रेस के कुल 15 विधायकों में से 10 विधायक भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए। हैरान करने वाली बात यह है कि विपक्ष के नेता भी बीजेपी में शामिल हो गए है। दो–तिहाई से ज्यादा संख्या होने की वजह से इन विधायकों पर दल–बदल कानून, 1985 के प्रावधान लागू नहीं हो रहा है। इस मामले में गोवा विधानसभा स्पीकर राजेश पटनेकर ने कहा कि दस कांग्रेस विधायकों ने मुझे पत्र सौंपा है कि वे बीजेपी में शामिल हो रहे हैं दूसरा पत्र गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत को सौंपा है। अब बीजेपी की संख्या बढ़ गई है। गोवा प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष गिरीश चोड़नकर ने कहा कि बीजेपी ने अपने गठबंधन के साथियों और कांग्रेस के 10 विधायकों को अपने खेमे में शामिल करके अपनी गहन असुरक्षा का परिचय दिया है। वे एक देश एक चुनाव नहीं बल्कि एक देश एक पार्टी की ओर ले जाने का प्रयास कर रहे हैं।

गोवा के डिप्टी स्पीकर माईकल लोबों ने कहा कि कांग्रेस के 10 विधायक बीजेपी में शामिल हो गए है। कांगेस के 2/3 विधायक अब बीजेपी का हिस्सा है। उन्होंने एक तरह से बीजेपी मे विलय कर लिया है।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 11, Issue 1, November 2021
Impact Factor: 5.731

इन विधायकों की अगवाई चन्द्रकान्त कावलेकर ने की। कावलेकर इससे पहले विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता थे। चन्द्र कावलेकर ने बीजेपी में शामिल होने के बाद कहा कि 10 विधायकों के साथ हम बीजेपी में शामिल हो गए हैं क्योंकि मुख्यमंत्री अच्छा काम कर रहे हैं। मैं विपक्ष का नेता था इसके बाद भी हमारे कार्यक्षेत्र में विकास कार्य नहीं हुआ। सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने के बाद भी हम सरकार नहीं बना सकते। कर्नाटक में हॉर्स ट्रेडिंग का आरोप लगना तय हुआ। भले ही विधायक अपनी इच्छा से बीजेपी में क्यों न शामिल हुए है। इससे पहले गोवा के उपमुख्यमंत्री विजय सरदेसाई ने कांग्रेस विधायकों की तुलना उन बंदरों से की थी जो एक जगह से दूसरी जगह कूदते रहते है। सरदेसाई का इशारा उन खबरों की तरफ था जिसमें यह कहा गया था कि कांग्रेस के 10 विधायक पार्टी छोड़कर बीजेपी में आने के इच्छुक हैं। गोवा व कर्नाटक के सियासी समीकरण में अंतर सिर्फ इतना ही है कि कर्नाटक में सत्तारूढ़ सरकार पर संकट था और कांग्रेस जनता दल (एस) गठबन्धन सरकार बचाने की कोशिश में है लेकिन गोवा में बीजेपी का पलड़ा भारी है और संगठन के स्तर पर बीजेपी मजबूत होने वाली है।

घ्यातव्य है कि कर्नाटक में सरकार गिरने का खतरा मंडरा रहा था। कर्नाटक में अभी तक 13 कांग्रेस विधायक इस्तीफा दे चुके। 224 विधानसभा सीटों वाले कर्नाटक में कांग्रेस और जेडीएस गठबंधन ने 105 सीटों का आंकड़ा छू लिया और अब 13 विधायकों के इस्तीफा देने के बाद सियासी समीकरण बदल गए हैं। विधानसभा स्पीकर ने भले ही विधायकों का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया हो लेकिन सरकार बचाना मुख्यमंत्री एच.डी. कुमारस्वामी के लिए टेड़ी खीर साबित होने वाली है। वहीं बीजेपी की ओर से दावा किया जा रहा है कि उसके समर्थन में अब 107 विधायक हैं अगर यह आंकड़ा बीजेपी छू लेती है तो वहाँ बीजेपी की सरकार बनना तय है।[3]

कर्नाटक की राजनीति में हॉर्स ट्रेडिंग के आरोप

कर्नाटक में सियासी संकट जारी है। कांग्रेस को जनता दल (एस) सरकार की सरकार के गिराने की अटकले लगाई जा रही थी। कांग्रेस जेडीएस के 13 विधायकों के इस्तीफे के बाद एच.डी. कुमार स्वामी सरकार पर गंभीर संकट बना। इसी बीच कर्नाटक में मुख्य विपक्षी पार्टी बीजेपी पर हॉर्स ट्रेडिंग का आरोप लगा दिया गया है। इन्हीं आरोपो के बीच कांग्रेस और जनता दल (एस) के कार्यकर्त्ता बैंगलौर में घोड़े पर बैठकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। कार्यकत्ताओं का यह विरोध प्रदर्शन काफी रोचक था। कांग्रेस जेडीएस कार्यकर्त्ता बीजेपी के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर रहे थे। एक तरफ कांग्रेस नाराज विधायकों को मनाने की कोशिश कर रही थी वहीं दूसरी तरफ विधायकों को तोड़ने के लिए भारतीय जनता पार्टी को जिम्मेदार ठहराया जा रहा था। कर्नाटक में जारी जबरदस्त सियासी संकट का दौर चल रहा था। राज्य की सरकार पर आए संकट को टालने के लिए कांग्रेस और जेडीएस ने एड़ी से चारी तक का जोर लगा दिया था। हालांकि इस बीच कुमारस्वामी ने सरकार पर संकटको दरकिनार करते हुए कहा कि सरकार सुचारू रूप से चल रही है और उस पर कोई संकट नही है जुलाई 2019 में राजनीति में चले इस हाई वोलटेज ड्रामे के साक्षी पूरे देश की जनता बनी हॉर्स ट्रेडिंग के नए आयाम भी छुए। ध्यात्व है कि 2018 में हुए कर्नाटक विधानसभा चुनावों में भाजपा को 104 सीटों पर जीत हासिल हुई थी। कांग्रेस को 80 सीट मिली थी और जेडीएस को 37 सीटे। दूसरे राज्यों में जनमत और बहुमत का उदाहरण देने वाले कांग्रेस पार्टी ने इस बार भाजपा से पहले ही सरकार बनाने का दावा पेश कर दिया, कांग्रेस ने यह जेडीएस के समर्थन से किया।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 11, Issue 1, November 2021
Impact Factor: 5.731

हालांकि राज्पाल ने भाजपा नेता वीएस येदियुरप्पा को सरकार बनाने के लिए आमंत्रण भेजा था लेकिन भाजपा बहुमत साबित नही कर पाई। इस बीच कांग्रेस और जेडीएस सरकार बनाने में कामयाब रही। गठबधंन ने कुमार स्वामी को मुख्यमंत्री बनाया लेकिन कुछ दिन के बाद ही विधानसभा के 11 विधायकों (8 कांग्रेस और तीन जेडीस) ने इस्तीफा दे दिया। कुमार स्वामी इस दौरान लगातार भाजपा पर विधायक खरीदने के आरोप लगाते रहे। अन्ततः कांग्रेस–जेडीएस की सरकार गिराकर भाजपा इस राज्य में भी सरकार बनाने में कामयाब रही। जहां भाजपा जोड–तोड़ सरकार बनाने में नाकामयाब रही वही पार्टी ने विपक्ष में बैठने के लिए राजनीतिक प्रपंच रचे जैसे सिक्किम राज्य।[4]

उतराखंण्ड की राजनीति में हॉर्स ट्रेडिंग के आरोप

वर्ष 2016 में उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावल ने भारतीय जनता पार्टी पर हॉर्स ट्रेडिंग का आरोप लगाया था। रावत के मुताबिक, बीजेपी ये सब करने में एक्सपर्ट है और इससे भ्रष्ट पार्टी कोई ओर नहीं हैं। इससे पूर्व झारखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री बाबुलाल मरांडी ने भी बीजेपी पर हॉर्स ट्रेडिंग का आरोप लगाया था। हरीश रावत ने बीजेपी की जमकर आलोचना करते हुए कहा कि बीजेपी हॉर्स ट्रेडिंग करने में एक्सपर्ट है। यदि कोई कोर्ट ने दखल नही दिया होता तो उन्होंने पहले ही दिल्ली और हिमाचल प्रदेश के साथ–साथ कई अन्य राज्यों की सरकारों को निशाना बनाया होता। उनकी नैतिकता सिर्फ बहाना है। बीजेपी जितनी भ्रष्ट है, उतनी भ्रष्ट पार्टी दूसरी कोई नही है। ध्यात्व है कि झारखण्ड विकास मोर्चा के अध्यक्ष बाबूलाज मरांडी ने हाल में झारखण्ड की राज्यपाल द्रोपदी मुर्मू का एक पत्र दिया था उनका आरोप है कि यह पत्र बीजेपी के तत्कालीन अध्यक्ष रवीन्द्र राय ने अमित शाह के लिए लिखी थी इस पत्र के मुताबिक कई विधायकों को बीजेपी में शामिल होने के लिए पैसों को लालच दिया गया था।[5]

सिक्किम में हॉर्स ट्रेडिंग के आरोप

वर्ष 2019 में सिक्किम में पिछले 25 सालों से शासन चला रही सिक्किम डेमोक्रेटिक फ्रेंट (एसडीएफ) के 10 विधायकों रातों–रात भाजपा में शामिल करा लिए गए वह भी तब जब 2018 में हुए विधानसभा चुनाव में भाजपा यहां से एक भी सीट नही जीत पाई थी लेकिन यहां भाजपा मुख्य विरोधी पार्टी के तौर पर उभरी। हालांकि विधायकों के इस दल–बदल कानून की बड़े स्तर पर आलोचना हुई और भाजपा पर हॉर्स ट्रेडिंग के आरोप लगे। क्योंकि जनता ने भाजपा को केवल 1.62 प्रतिशत वोट देकर नकार दिया था।

मणिपुर में हॉर्स ट्रेडिंग के आरोप

2017 के मणिपुर विधान सभा चुनावों में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं हुआ था मणिपुर की 60 सदस्यीय विधानसभा में कांग्रेस को 28 सीटे हासिल हुई थी और भाजपा को 21 सीटे। बहुमत के लिए किसी भी पार्टी को 31 सीटों की जरूरत थी मगर इसी बीच भाजपा ने 32 विधायकों के समर्थन से सरकार बनाने का दांवा पेश कर दिया। लेकिन इस पर भी भाजपा नेता रविशंकर ने टिप्पणी करते हुए कहा था– कांग्रेस ने आज तक मणिपुर में सरकार बनाने का दावा नही किया है। मणिपुर में एन. वीरेन सिंह को मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ दिलाई गई। ध्यात्व है कि वो एक साल पहले ही कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे इस दौरान कांग्रेस पार्टी ने भाजपा पर हॉर्स ट्रेड़िंग के आरोप लगाये। मणिपुर, गोवा, अरूणाचल

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 11, Issue 1, November 2021
Impact Factor: 5.731

प्रदेश के अलावा सबसे ज्यादा चर्चित विषय कर्नाटक का नाटक भी रहा। जिसे देश के उदारवादी तबके ने लोकतंत्र का मजाक उड़ाना भी कहा तथा जनमत के वोट की अवहेलना करना बताया।[7]

अरूणाचल प्रदेश में हॉर्स ट्रेडिंग

वर्ष 2016 में भाजपा अरूणाचल में कमल खिलाने में कामयाब रही, वो भी तब जब 60 सदस्यीय विधानसभा में उसके पास केवल 11 विधायक थे दरअसल भाजपा ने मुख्यमंत्री पेमा खांडू के नेतृत्व वाली 'पीपुल्स पार्टी ऑफ अरूणाचल प्रदेश (PPA) के 43 में से 33 विधायक तोड़कर अपनी पार्टी में शामिल कर लिये। 44 विधायकों के बहुमत के साथ भाजपा ने प्रदेश में सरकार बना ली। इस कार्य पर भाजपा पर विपक्षी पार्टियों द्वारा हॉर्स ट्रेडिंग के भयानक आरोप प्रत्यारोप लगाये गए और इसे भारतीय लोकतंत्र का काला दिवस की संज्ञा दी गई। इसे लोकतंत्र को बचाओं जैसे नारों से संकेतित किया गया। लेकिन इसके पीछे कई राजनीतिक घटनाक्रम भी हुए थे। पीपीए अध्यक्ष काहफा बेंगिया ने पार्टी विरोधी गतिविधियों का आरोप लगाते हुए रद्द कर दी। जिसके बाद भाजपा ने पेमा खांडू और बाकी विधायकों को अपने पाले में ले लिया। नॉर्थ ईस्ट डेमोक्रेटिक अलायंस की सरकार में सहयोगी पीपीए ने पहले टकाम पेरियों को मुख्यमंत्री पद के लिए चुना लेकिन अगले ही दिन राजनीतिक समीकरण बदल गए। विधायकों ने टकाम की जगह प्रेमा खांडू को मुख्यमंत्री के चेहरा चुन लिया।

मध्यप्रदेश में हॉर्स ट्रेडिंग के आरोप

मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा के कददावर नेता शिव राज सिंह चौहान ने एक बार कहा था कि वो कमल नाथ सरकार को कभी भी गिरा सकते हैं। इसका जबाव देते हुए मौजूदा मुख्यमंत्ररी और कांग्रेसी नेता कमलनाथ ने चुनौती देते हुए कहा था कि भाजपा में हिम्मत है तो मेरी सरकार गिरा कर दिखाएं। ज्योतिरादित्य संधियों के भाजपा ज्वाइंन करते ही कमलनाथ सरकार पर खतरे के बादल मंडराने लगे। एक तरफ भाजपा ने मध्यप्रदेश के अपने विधायकों को हरियाणा में ठहराये तो कांग्रेस ने अपने विधायक राजस्थान में इस बीच पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह भाजपा नेताओं पर आरोप लगाते रहे है कि वो कांग्रेस के विधायकों की हॉर्स टेड्रिंग अर्थात् खरीद–फरोख्त में संलिप्त है। लेकिन देश के राजनीतिक गलियारे में ऐसा पहली बार नही हो रहा है। आया राम गया राम से शुरू हुई हॉर्स ट्रेडिंग का ये राजनीतिक पैंतरा बड़े स्तर पर हो रहा है।[8]

राजस्थान में हॉर्स ट्रेडिंग के आरोप

राजस्थान की राजनीति में सत्ता व नेतृत्व का सघर्ष हमने 15वीं विधानसभा चुनाव दिसम्बर 2018 में देखा जिसमें अशोक गहलोत व सचिन पायलट के मध्य मुख्यमंत्री पद के लिए दिल्ली–राजस्थान की हवाई दौड़ लगाई गई। अन्ततः तीसरी बार पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को मुख्यमंत्री की शपथ दिला दी गई। इस दौड़ में युवा नेतृत्व पर वरिष्ठ राजनीतिक नेतृत्व व अनुभवी नेता अशोक गहलोत भारी पड़ा। लेकिन एक पार्टी में सत्ता व नेतृत्व की प्रतिस्पर्धा कब तक शान्त रह सकती है। इसी का परिणाम निकला कि जब सम्पूर्ण विश्व, देश व स्थानीय जनता जुलाई, अगस्त; 2020 को कोरोना महामारी से संघर्ष कर रही थी उसी दौर में राजस्थान की राजनीति में गहलोत बनाम पायलट का सत्ता व नेतृत्व का संघर्ष अपने चरमोत्कर्ष पर था और

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 11, Issue 1, November 2021
Impact Factor: 5.731

दोनों ही समूह के नेता राजस्थान व हरियाणा के होटलों में ऐशोआराम की जिन्दगी जी रहे थे जनता के पैसों की खुब बर्बादी हुई। अन्तोत्गत्वा दोनों समूह पारस्परिक केन्द्रिय नेतृत्व के समक्ष बातें रख कर एक गुट में (पार्टी) शामिल हुए और सदन का सत्र बुलाकर 14 जुलाई 2020 को विश्वास मत ध्वनिमत से हासिल कर, सत्ता संघर्ष को विराम दिया और गहलोत मुख्यमंत्री पद बचाने में अपने जादू को कारगर साबित कर दिखाया।

इधर इस सत्ता संघर्ष के दौर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विपक्षी पार्टी पर हार्स ट्रेड़िंग के आरोप–प्रत्यारोप लगाते रहे और कहा कि भाजपा के लोग सरकार गिराने में लगे है जबकि हम कोरोना महामारी में लोगों का जीवन बचाने में लगे है। भाजपा लोकतंत्र की हत्या में लगी है। विधायकों की खरीद फरोख्त का काम हो रहा है। गहलोत ने गोवा, मणिपुर, अरूणाचल प्रदेश, मध्यप्रदेश जैसे राज्यों को जिक्र करते हुए कहा कि वहां की स्थिर सरकारों को गिराने का कार्य भाजपा ने किया है। विधायकों की हॉर्स ट्रेड़िग पर कहा कि राजस्थान वीरों की भूमि है और राजस्थान में आज तक हॉर्स ट्रेडिंग नहीं हुई है। कांग्रेस पार्टी ने जिन्हें चुनाव मैदान में उतारा है टिकट देकर चुनाव जिताया और उसके बाद कुछ को मंत्री बनाया गया। अब ऐसे में भी कोई गद्दार निकलता है तो राजस्थान की जनता उसे कभी माफ नहीं करेगी। गहलोत ने कहा कि लोगों के सामने हकीकत आये। सरकार गिरने में जो लोग भी शामिल है उसकी जांच एसओजी टीम करेगी। राज्यसभा चुनाव से भी बड़ा माहौल राजस्थान में बना है। हमारे सभी विधायक खुद्दारी रखते हैं गुजरात राज्यसभा चुनाव का जिक्र करते हुए गहलोत ने कहा कि गुजरात में सात विधायक खरीदकर इन्होंने दो सीटें जीत ली और आज काफी खुश है। लेकिन राजस्थान में हमने इन्हें काफी अच्छा सबक सिखाया।

70 साल तक कांग्रेस ने लोकतंत्र को बचाया है। लेकिन भाजपा पार्टी के नेता लोकतंत्र में विश्वास नहीं रखते है। लोगों को डराया जाता है। देश में आज जैसा माहौल कभी नहीं हुआ पहले लोग खुल कर बातें किया करते थे लेकिन आज कोई खुल कर नहीं बोल सकता। वर्तमान में स्थिति यह है कि सीबीआई, ईडी और इनकम टैक्स जैसी एजेंसी का दुरूपयोग किया जा रहा है। सत्ता पलटाने में यह भाजपा के लोग देरी नहीं करते है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर हमला बोलते हुए गहलोत ने कहा कि जनता एक दिन इनका घमण्ड चकनाचूर कर देगी। साथ ही कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी जब सवाल उठाते है तो यह लोग उनका जवाब नहीं दे पाते है। बल्कि बिना तथ्यों के आधार पर अपने मंत्रियों से उन पर जवाबी हमला करवाते है। इस प्रकार से येन केन प्रकारेण कांग्रेस पार्टी भाजपा के ऊपर हॉर्स ट्रेड़िंग के आरोप लगाकर उसकी छवि खराब करना चाहती है। जबकि मुद्दा पार्टी के अन्दर सत्ता संघर्ष व युवा नेतृत्व की अवहेलना का है। यह एक तरह से गहलोत की सत्ता लोलुपता ही प्रदर्शित करती है।[9]

महाराष्ट्र में हॉर्स ट्रेड़िंग के आरोप

महाराष्ट्र में सरकार बनाने की खींचतान के बीच जब सुबह अचानक भाजपा ने सबको चौंकाते हुए सरकार बना ली। तब अजीत पंवार और उसके कुछ साथी विधायकों के समर्थन की बदौलत देवेन्द्र फड़नवीस ने एक बार फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और अजीत पंवार को डिप्टी सीएम बना दिया गया। बस उसके बाद से ही महाराष्ट्र की सियासत में एक शब्द इधर से उधर घूमने लगा। वह शब्द है हॉर्स ट्रेडिंग यानि 'घोड़ा बाजार' सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र के फ्लोर टेस्ट पर अपना फैसला सुनाते हुए इसी घोड़ा बाजार को रोकने के लिए ऐसी व्यवस्था की जा रही है। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि कल यानि 27 नवम्बर, 2019 को शाम 5 बजे तक फ्लोर टेस्ट किया जाएगा। इसका लाइव प्रसारण भी किया जाएगा। साथ

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 11, Issue 1, November 2021
Impact Factor: 5.731

ही इस फ्लोर टेस्ट के लिए एक प्रोटेम स्पीकर की नियुक्ति की जाएगी। एक ओर अहम् बात यह है कि इस फ्लोर टेस्ट में सीक्रेट बैलेट वोटिंग नहीं होगी बल्कि ओपन वोटिंग होगी हालांकि अब कोई फ्लोर टेस्ट नहीं होगा क्योंकि अजीत पंवार ने भी इस्तीफा दे दिया है और देवेन्द्र फड़नवीस ने भी इस्तीफा देना तय कर लिया है।

जैसा कि विदित है कि महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटों का परिणाम 24 अक्टूबर 2019 को आया। परिणाम से ज्ञात हुआ कि किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है। चुनाव में BJP को 105 सीटें, कांग्रेस को 44, शिव सेना को 56 सीटें, NCP को 54 व शेष अन्य को मिली। ऐसी स्थिति में राज्यपाल ने बारी–बारी से सभी पार्टियों को सरकार बनाने का मौका दिया था इसी दौर में 12 नवम्बर 2019 को राष्ट्रपति शासन लगा दिया। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के परिणामों के बाद विधायकों की हॉर्स ट्रेडिंग या खरीद फरोख्त के आरोप लगाये जाने लगे। महाराष्ट्र में कांग्रेस नेताओं का कहना था कि उनके विधायकों को खरीदने की कोशिश जा रही है। यहां तक कि ये भी आरोप लगाये गए कि विधायकों को बीजेपी की तरफ से करोड़ों रूपये का ऑफर दिया गया। रिपोर्टर्स आई कि बीजेपी के नेताओं ने कांग्रेस के दो नेताओं को 25 करोड़ रुपये का लालच भी दिया है। कांग्रेस ने कहा कि हम इस हॉर्स ट्रेडिंग को रोकने के लिए काम कर रहे है। बीजेपी ने भी कहा कि कांग्रेस और एनसीपी हम लोगों पर हॉर्स ट्रेडिंग के आरोप लगा रहे है कांग्रेस इन आरोपों को 48 घण्टे के भीतर साबित करे या फिर महाराष्ट्र की जनता से माफी मांगे। इस प्रकार से हॉर्स ट्रेड़िंग के आरोप–प्रत्यारोप एक–दूसरे पर लगाये जाते है।

सन्दर्भ

[1]. ग्रोवर, मोहित, क्या होता है हॉर्स ट्रेडिंग का मतलब? From aajtak.in=delivered 18 May, 2018
[2]. राजनीति में हॉर्स ट्रेडिंग की शुरूआत, From hindi.nes18.com 17 May, 2018
[3]. कर्नाटक के बाद गोवा में कांग्रेस को तगड़ा झटका, From aajtak.in-delivered
[4]. वैम्भा, वैक्क्या The politics and economic of horses trading,
[5]. www.thehindibusinessline.com 24 December, 2018
[6]. Is horse trading just bad politics or illegal too, From m.timeofindia.com 23 July, 2019
[7]. यादव, ज्योति, हारी हुई बाजी के बावजूद कहां कहां सरकारे बना चुकी है। भाजपा From. hindi. theprint. in> pditics>not..... 12 मार्च, 2020
[8]. From abduction to horse trading, Manipur Political dramma is a perfect-crime thriller www.oneindia.com>india 24 March, 2017
[9]. मध्यप्रदेश में सियासी भूचाल, navbharattimes.indiatime.com>..... 11 March, 2020
[10]. राजस्थान में हॉर्स ट्रेड़िंग की रेट बढ़ी, From india.com-delivered 31 July, 2020
[11]. महाराष्ट्र में कांग्रेस का आरोप : हॉर्स ट्रेडिंग हो रहा है। From hindi.thequint.com 8 November, 2019